वीयू–''पुस्तकालय केवल पुस्तकों का संग्रह नहीं, राष्ट्र–निर्माण की प्रयोगशाला है'' नानाजी देशमुख शोध पुस्तकालय का भव्य शुभारंभ''

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के इतिहास में आज दिनांक 14.09.26 एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया, जब विश्वविद्यालय परिसर में 'नानाजी देशमुख शोध पुस्तकालय' का भव्य उद्घाटन सम्पन्न हुआ। यह पुस्तकालय केवल ईंट–पत्थरों की इमारत नहीं, बल्कि युवा शोधार्थियों के सपनों और राष्ट्र–चिंतन का जीवंत केंद्र बनेगा।

समारोह के मुख्य अतिथि 'डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्र संगठन मंत्री, पूर्वोत्तर क्षेत्र, विद्या भारती' ने कहा कि नानाजी का जीवन हमें सिखाता है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान होना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय 'कुलपति प्रो. (डॉ.) मंदीप शर्मा' ने कहा, –नानाजी का जन्म भले ही एक साधारण परिवार में हुआ, पर अपने त्याग, सेवा और संकल्प से वे असाधारण बन गए। उन्होंने सत्ता को नहीं, समाज को चुना। यही शोध पुस्तकालय हमारी नई पीढ़ी को साधारण से असाधारण बनने की प्रेरणा देगा।

मुख्य वक्ता 'डॉ. अवनीश भटनागर' ने 'राष्ट्र चेतना का घोष है वन्दे मातरम' विषय पर ओजस्वी व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा, वन्दे मातरम् केवल एक गीत नहीं, यह भारत की आत्मा का उद्घोष है। उन्होंने वन्दे मातरम् की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार गायन से लेकर राष्ट्रीय गीत बनने तक की यात्रा और जन–गण–मन को राष्ट्रगान के रूप में चुने जाने के ऐतिहासिक तथ्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति 'प्रो. कपिल देव शर्मा' ने नानाजी देशमुख जी के त्यागमय जीवन, दीनदयाल शोध संस्थान और चित्रकूट के ग्रामोदय से अंत्योदय के मॉडल को भावपूर्ण शब्दों में प्रस्तुत किया।

इस पूरे आयोजन की आधारशिला विश्वविद्यालय के प्रशासनिक नेतृत्व ने रखी। विश्वविद्यालय की 'कुलसचिव प्रो. (डॉ.) राखी वैश का अमूल्य, कुशल एवं दूरदर्शी प्रशासनिक नेतृत्व, सहायक कुलसचिव डॉ. रामकिंकर मिश्रा का सक्रिय समन्वय एवं सहयोग तथा नानाजी देशमुख शोध पुस्तकालय के प्रभारी डॉ. स्यमन्तक मणि त्रिपाठी का दिन–रात का अथक परिश्रम,

संकल्प और निष्ठा' ही इस भव्य उद्घाटन को सफल बना सका। विश्वविद्यालय परिवार इनके प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करता है।

इस गरिमामय अवसर पर 'IITDM के निदेशक डॉ. भरतेंदु सिंह', मेडिकल कॉलेज एवं अन्य महाविद्यालयों के वरिष्ठ चिकित्सक, विभिन्न सामाजिक संगठनों के गणमान्यजन, 'अधिष्ठाता डॉ. एस.एस. तोमर, प्रसार निदेशक डॉ. सुनील नायक, डायरेक्टर एनिमल बायोटेक्नोलॉजी डॉ. मोहन सिंह ठाकुर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रणविजय सिंह, डॉ. असित जैन' सहित सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इस ज्ञान–तीर्थ का निर्माण 'पुस्तकालय प्रभारी डॉ. श्यामंतक मणि त्रिपाठी' की कल्पना और संकल्प का परिणाम है।

कार्यक्रम का संचालन 'मंगलायतन विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आशीष मिश्रा' ने किया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर